HINDUSTAN PAGE 6

गेट: यूजी छात्र आर्यन ने दो विषयों में पाई सफलता

लखनऊ। एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 60 से अधिक छात्रों के गेट में सफल होने की जानकारी है। एलयू स्नातक के छात्र आर्यन धवन ने गेट में इकोलॉजी, इवोल्यूशन में एआईआर 19वीं और लाइफ साइंसेज में 219वीं रैंक प्राप्त की। आर्यन धवन प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. आलोक धवन के पुत्र हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

बीटेक, एमसीए की परीक्षाएं 23 मार्च से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीटेक, एमसीए, बीफार्मा, डीफार्मा सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बीटेक और एमसीए की परीक्षाएं 23 मार्च से शुरू होंगी। विस्तृत डेटशीट विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दी गई है।

एमसीए प्रथम सेमेस्टर 23 से 31 मार्च, बीटेक प्रथम सेमेस्टर (रेगुलर, बैक पेपर) 23 मार्च से एक अप्रैल और बीटेक तृतीय सेमेस्टर रेगुलर (लेट्रल इंट्री) की परीक्षाएं 23 मार्च से चार अप्रैल तक आयोजित की जाएंगी। बीफार्मा प्रथम सेमेस्टर (रेगुलर) की परीक्षा 25 से 31 मार्च तक होंगी।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि के छात्र आर्यन धवन ने गेट परीक्षा में हासिल की 19वीं रैंक

स्वतंत्रभारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के अखिल भारतीय स्तर की गेट परीक्षा में सफलता का सिलसिला जारी है। अब तक प्राप्त परिणामों में 60 से अधिक छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं। इसी कड़ी में लविवि के स्नातक छात्र आर्यन धवन ने इकोलोजी और इवोल्यूशन विषय में गेट की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 19वीं रैंक हासिल की है। आर्यन ने लाइफ साइंसेज विषय में भी गेट परीक्षा उत्तीर्ण की है जिसमें 219वीं रैंक प्राप्त की है। वहीं, आर्यन की विशिष्ट एवं उल्लेखनीय सफलता पर लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बधाई देते हुए इसे अन्य छात्र-छात्राओं के लिए अनुकरणीय बताया है। आर्यन धवन प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो.आलोक धवन के पुत्र हैं तथा वे भी शोध के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने के लिए उत्सुक हैं। आर्यन ने इस सफलता के लिए दृढ़संकल्प एवं पूर्ण विश्वास के साथ की गई तैयारी को प्रमुख बताया तथा अपने माता-पिता एवं शिक्षकों के प्रति आभार जताया।

TRUE TIMES PAGE 2

लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के बीच युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर -20 के प्रतिनिधि अजय कश्यप के साथ G20 और विभिन्न मुद्दों पर संवाद और परिचर्चा हुई

ट्रू टाइम्स संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के बीच युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर Y-20 के प्रतिनिधि अजय कश्यप के साथ 320 और विभिन्न मुद्दों पर संवाद और परिचर्चा हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने पिछले 5 महीनों से लखनऊ विश्वविद्यालय में 320 पर विचार-विमर्श के विभिन्न कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू किया है और यह कार्यक्रम उसी की निरंतरता में है।

कार्यक्रम की शुरुआत लखनऊ विश्वविद्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रो पूनम टंडन के स्वागत भाषण से हुई। अजय कश्यप- -20 इंडिया के संयोजक और राष्ट्रमंडल युवा परिषद में भारतीय प्रतिनिधि ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अपना परिचय दिया और उन सभी का अभिवादन किया। सभी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने एक एक करके अपना परिचय विशिष्ट अतिथि अजय कश्यप जी को दिया। अजय कश्यप ने 320 प्रेसीडेंसी के बारे में बात की और विशेष रूप से 320 की प्रासंगिकता पर छात्रों से बातचीत की, अजय कश्यप के साथ छात्रों ने जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, जल प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों जैसे विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। श्री कश्यप ने कहा कि 320 पूरी दुनिया की कुल आबादी का 75% है। उन्होंने आगे कहा कि भारत वह देश है जिस पर वसुधैव कुटुम्बकम के वैचारिक ढांचे के कारण पूरे विश्व का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी है। कश्यप जी ने यह भी बताया कि भारत एक उदाहरण देकर दुनिया का नेतृत्व कर रहा है कि भारत अफ्रीका को सबसे अधिक पीत ज्वर का टीका सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराता है। यह पूरी दुनिया के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने विभिन्न मुद्दोंपर बात की। जैसे कि कौशल विकास, शांति, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, भारत में भविष्य और लोकतंत्र। आगे उन्होंने स्वास्थ्य और योग परबात की, जिसमें उन्होंने कहा कि दुनिया द्वारा मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दुनिया के लिए आध्यात्मिकता की प्रासंगिकता को दर्शाता है।

इस बातचीत में प्रोफेसर पूनम टंडन, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, लखनऊ विश्वविद्यालय, घनश्याम शाही, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रोफेसर आर पी सिंह, प्रोफेसर राघवेंद्र सिंह और डॉ वरुण छाछर ने भाग लिया और अपने विचार अंतर्राष्ट्रीय छात्र छात्राओं से साझा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

TARUNMITRA PAGE 2

लविवि के छात्र आर्यन धवन ने गेट परीक्षा में हासिल की 19वीं रैंक

लखनऊ, 18 मार्च (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के अखिल भारतीय स्तर की गेट परीक्षा में सफलता का सिलसिला जारी है। अब तक प्राप्त परिणामों में 60 से अधिक छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं। इसी कड़ी में लविवि के स्नातक छात्र आर्यन धवन ने इकोलोजी और इवोल्यूशन विषय में गेट की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 19वीं रैंक प्राप्त की है। वहीं, आर्यन की विशिष्ट एवं उल्लेखनीय सफलता पर लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बधाई देते हुए इसे अन्य छात्र-छात्राओं के लिए अनुकरणीय बताया है। आर्यन धवन प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो.आलोक धवन के पुत्र हैं तथा वे भी शोध के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने के लिए उत्सुक हैं। आर्यन ने इस सफलता के लिए दृढ़संकल्प एवं पूर्ण विश्वास के साथ की गई तैयारी को प्रमुख बताया तथा अपने माता-पिता एवं शिक्षकों के प्रति आभार जताया।

TOI PAGE 4

Dedicated efforts by people to save wounded & unwell birds have given them new strength to fly high, reports ***Mohita Tewari***

A healing touch for feathery friends

Khabbu survived, Chintu Saxena is flying high, Chi lost her battle for life but is alive in hearts.

These names are not of humans but "feathered friends" who have been saved by the honest efforts of humans.

TOI took a peek into the dedicated efforts made a teacher, a senior citizen and students who attempted to save wounded and unwell chirpy birds and gave them the strength to resume their flight.

The students and teachers of the zoology department at the Lucknow University have mastered the skill of saving birds, be it a bird injured by 'manjha' (sharp thread used for flying kites), air pollution, attack by cats, accident or any other reason.

Among hundreds of such stories, one that stands out is that of an injured pigeon, 'Khabbu', who is now a permanent resident of Ladybird laboratory of LU's zoology department.

You may come across students saying: "Khabbu wali lab jaa rahe, Khabbu se milenge lecture ke baad (going to Khabbu's laboratory, will meet Khabbu after the lecture)".

"The students of MSc found a pigeon bleeding and hopping around. They brought it to me for the first aid. I took it to a veterinary doctor but the doctor said that the pigeon's wing was beyond repair and would have to be amputated. The bird could never fly again," says Prof Geetanjali Mishra, a faculty member at LU's zoology department.

"The pigeon's wings were almost chopped off by a 'manjha'. I brought it back to the laboratory after some first aid. He is doing well and the laboratory is his permanent residence. Initially, the pigeon was very scared but with the love and affection he got from students and teachers, he has become friendly and bold to the extent that it keeps following me wherever I go," she adds.

"My students asked me to give pigeons some name so that they can draw his attention towards them. The bird was named 'Khabbu' as he eats a lot. If he doesn't get food immediately, he stomps and upturns his food and water bowl and then glares at me," she says, adding that she gives him multi-vitamins and antibiotics mixed in grains and seeds.

"Also, MSc students ensure that he gets sunbath and a stroll in the open. When we leave the laboratory, we ensure that Khabbu's food is in place, he is safe and room temperature is favourable for him," Prof Mishra says.

"After we succeeded in saving Khabbu our MSc and PhD students have turned so passionate about saving birds that they often bring dead birds to our lab with the hope that they can be cured," she says.

Prof Mishra was fortunate that she could save Khabbu but Shriza Rai, a PhD scholar in zoology department could not save 'Chi', a sparrow chick, despite her best efforts. However, she has not given up on the pledge of saving injured birds.

"In 2009, my friends and I started keeping water bowls for birds. We used to watch them enjoying water bath to beat the summer heat," says Shriza.

"Recently, a pair of sparrows made a nest in our house. Unfortunately, a chick fell from the nest. After waiting for the mother for two hours, I decided to do my best to save the chick. It was hardly 1-2 days old. I had planned to name the bird 'Chi' but sadly it could not be saved. I hope wherever it is, it is in peace. I feel sad and helpless for not being able to save Chi but I pledge that I will not let any other bird die," she says. "In the past, I have saved three birds, though they were not this young.

Our school principal once told us quoting Mahatma Gandhi: 'The greatness of a nation and its moral progress can be judged by the way its animals are treated.' He asked us to save lives and be kind. The journey started from there still continues," says Shriza.

Another inspiring attempt of saving a bird's life is by 75-year-old resident of Sarojininagar, KR Verma, former technical officer at HAL who saved a red-vented bulbul.

"I am happy that I could save at least one red-vented bulbul and reared it to adulthood. During the lockdown, a bulbul laid three eggs on our curry leaf tree. Of the three, one was taken away by a rufous treepie, the other two were attacked by shikra (a small raptor). we chased away the shikra and one was dropped by it," recalls Verma.

"Once the bird grew up slightly and started hopping out, we would shift him to a carton in the afternoon inside our home so that the predators would not attack. Gradually, it grew up and flew away. Since he was naughty, my son Prof Ravi named it 'Chintu Saxena', after a friend of mine," he says.

WANT TO SAVE AN INJURED BIRD? REMEMBER THIS GOLDEN RULE

If you come across any injured bird, make sure you lift it carefully, put it in a cardboard box with a lid or a towel over the top, and place it in a cool, safe place where cats and other creatures don't attack her. An injured bird goes into shock very easily and often dies due to shock.

SAVING LIVES: Chicks in a nest

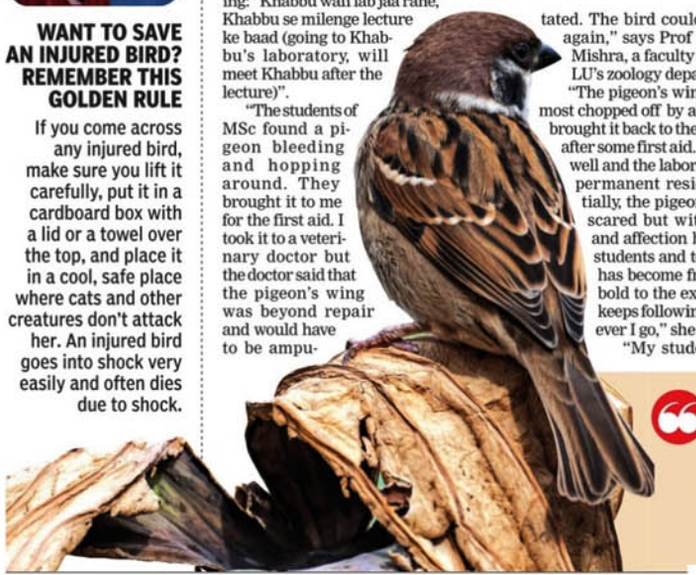

Our MSc and PhD students have turned so passionate about saving birds that they often bring dead birds to our lab with the hope that they can be cured

GEETANJALI MISHRA | LU PROFESSOR